

माता बगलामुखी के मंदिर, गौशाला व योग आश्रम
के निर्माण मे सहयोग करे.

PayTM- Gpay: 7710812329.

SD ASHRAM CHARITABLE TRUST (REGD.)



मधुमती योगिनी मंत्र: मनोकामना पूर्ण करने वाली अंगूठी कैसे तैयार करे

मधुमती योगिनी मंत्र एक अत्यंत प्रभावशाली साधना मंत्र है, जिसका उपयोग व्यक्ति के जीवन में सफलता और समृद्धि लाने के लिए किया जाता है। इस मंत्र के द्वारा योगिनियों की शक्ति प्राप्त की जाती है, जो जीवन के कठिन कार्यों को पूर्ण करने में सहायता करती हैं। यह मंत्र विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, जो आध्यात्मिक उन्नति और तंत्र साधना में रुचि रखते हैं। इस मंत्र का प्रयोग करने से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक संतुलन प्राप्त होता है। साधक इस मंत्र का नियमित जप करके अपने सभी कार्य सिद्ध कर सकते हैं।

दसों दिशाओं का दिग्बंधन मंत्र व उसका अर्थ

दिग्बंधन मंत्र:

"ॐ पूर्वायां रक्षतु इन्द्रः, आग्नेय्यां रक्षतु अग्निः, दक्षिणायां रक्षतु यमः, नैऋत्यां रक्षतु नैऋतिः, पश्चिमायां रक्षतु वरुणः, वायव्यां रक्षतु वायुः, उत्तरायां रक्षतु कुबेरः, ईशान्यां रक्षतु रुद्रः, ऊर्ध्वायां रक्षतु ब्रह्मा, अधः रक्षतु अनन्तः॥"

अर्थ:

यह दिग्बंधन मंत्र साधक के चारों ओर सुरक्षा का कवच बनाता है। दसों दिशाओं के देवताओं का आह्वान करके साधक अपनी साधना को सुरक्षित और पूर्ण करता है। यह मंत्र सभी दिशाओं से आने वाले नकारात्मक प्रभावों से रक्षा करता है।

मधुमती योगिनी मंत्र व उसका संपूर्ण अर्थ

मंत्र:

"ॐ ह्रीं क्लीं मधुमती योगिनेश्वरी मम् कार्यं सिद्धयं हुं स्वाहा"

संपूर्ण अर्थ:

इस मंत्र का हर शब्द शक्तिशाली ऊर्जा और गहन अर्थ को समेटे हुए है, जो साधक के जीवन में इच्छित फल की प्राप्ति और कार्य सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। आइए इसे शब्दशः समझते हैं:

- **ॐ**: यह ब्रह्मांड की मूल ध्वनि है, जो सृष्टि की शुरुआत और सर्वव्यापक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है। यह शब्द साधक को आत्मिक और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जोड़ता है।
- **ह्रीं**: यह देवी की शक्ति का बीज मंत्र है। 'ह्रीं' शक्ति, करुणा और आध्यात्मिक उत्थान का प्रतीक है, जिससे साधक को देवी के आशीर्वाद की प्राप्ति होती है।
- **क्लीं**: यह मंत्र आकर्षण, प्रेम, और सफलता की ऊर्जा को जाग्रत करता है। 'क्लीं' बीज मंत्र विशेष रूप से कार्य सिद्धि और लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सहायक होता है।
- **मधुमती योगिनेश्वरी**: मधुमती योगिनी वह देवी हैं, जो कार्यों में सिद्धि और सफलता प्रदान करती हैं। 'योगिनेश्वरी' शब्द का अर्थ है योगिनियों की अधिपति, जो जीवन के हर क्षेत्र में मार्गदर्शन और सुरक्षा प्रदान करती हैं।
- **मम् कार्य सिद्धयः**: इसका अर्थ है "मेरे कार्यों की सिद्धि के लिए।" साधक इस वाक्यांश के माध्यम से अपने सभी कार्यों में सफलता और सिद्धि की प्रार्थना करता है।
- **हुं**: यह एक शक्तिशाली बीज मंत्र है, जो साधक के चारों ओर सुरक्षा का एक अदृश्य कवच बनाता है और उसे हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा से बचाता है।
- **स्वाहा**: यह शब्द पूर्ण समर्पण और आह्वान का प्रतीक है। यह साधक के द्वारा देवी को समर्पण और पूर्ण श्रद्धा के साथ की गई प्रार्थना का सूचक है, जिससे वह अपने कार्यों की सिद्धि की कामना करता है।

संपूर्ण अर्थ:

यह मंत्र देवी मधुमती योगिनी से साधक के कार्यों की सिद्धि, सफलता, और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता है। साधक इस मंत्र के जप से अपने जीवन की सभी बाधाओं को दूर करता है और अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए देवी की कृपा और शक्ति का आह्वान करता है। "हुं" और "स्वाहा" के प्रयोग से साधक अपने कार्यों में आध्यात्मिक शक्ति और आंतरिक सुरक्षा प्राप्त करता है, जिससे उसकी सभी इच्छाएं और कार्य सफल होते हैं।

मधुमती योगिनी मंत्र के लाभ

1. मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है।
2. कठिन कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।
3. शत्रुओं से सुरक्षा मिलती है।
4. आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाता है।
5. साधक को अद्वितीय आत्मविश्वास देता है।
6. जीवन के सभी पहलुओं में उन्नति करता है।

7. आध्यात्मिक जागृति को बढ़ावा देता है।
8. रोगों से मुक्ति दिलाता है।
9. घर में सुख-शांति का वास करता है।
10. साधक के व्यक्तित्व में निखार लाता है।
11. तंत्र साधनाओं में सफलता प्राप्त होती है।
12. नकारात्मक ऊर्जाओं से रक्षा करता है।
13. प्रगति में आने वाली बाधाओं को दूर करता है।
14. भाग्य को सशक्त करता है।
15. प्रेम संबंधों में सुधार लाता है।
16. धन और वैभव में वृद्धि करता है।
17. जीवन के कठिन संघर्षों को सरल बनाता है।
18. आत्म-विश्वास और प्रेरणा को जागृत करता है।

पूजा सामग्री और मंत्र विधि

पूजा सामग्री

- लाल मूंगा
- घी का दीपक
- लाल आसन
- मधुमती योगिनी की फोटो
- लाल मूंगे की अंगूठी

[Get yogini deeksha](#)

मंत्र विधि

1. सबसे पहले लाल आसन पर बैठें।
2. मधुमती योगिनी की फोटो के सामने घी का दीपक जलाएं।
3. शक्ति मुद्रा लगाकर 25 मिनट तक मंत्र जप करें।
4. यह प्रक्रिया लगातार 11 दिन तक करें।
5. 11 वें दिन भोजन या अन्न का दान करें।

6. लाल मूंगा अंगूठी चांदी या सोने में जड़वाकर पहन लें।

मंत्र जप का दिन, अवधि, और मुहूर्त

मंत्र जप किसी भी शुभ मुहूर्त में आरंभ किया जा सकता है। विशेषकर शुक्रवार का दिन अधिक शुभ माना जाता है।

अवधि: 25 मिनट

दिन: लगातार 11 दिन तक यह मंत्र जप किया जाए।

मंत्र जप के नियम

1. साधक की उम्र 20 वर्ष से अधिक होनी चाहिए।
2. स्त्री या पुरुष, दोनों इस मंत्र को जप सकते हैं।
3. नीले या काले वस्त्र न पहनें।
4. धूम्रपान, मद्यपान और मांसाहार से दूर रहें।
5. ब्रह्मचर्य का पालन करें।

[know more about yogini mantra vidhi](#)

जप सावधानियां

1. साधना स्थल स्वच्छ और शांति पूर्ण हो।
2. मन को एकाग्र करके मंत्र का जप करें।
3. आसन का विशेष ध्यान रखें, लाल आसन सबसे उपयुक्त है।
4. मंत्र उच्चारण स्पष्ट और सही तरीके से होना चाहिए।
5. नकारात्मक विचारों से बचें और पूर्ण समर्पण के साथ जप करें।

[spiritual store](#)

मधुमती योगिनी संबंधित प्रश्न और उत्तर

प्रश्न 1: मधुमती योगिनी मंत्र किस उद्देश्य से किया जाता है?

उत्तर: यह मंत्र जीवन में सफलता, समृद्धि और शांति प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 2: क्या यह मंत्र आर्थिक समस्याओं का समाधान कर सकता है?

उत्तर: हां, इस मंत्र के माध्यम से आर्थिक स्थिरता और धन प्राप्ति होती है।

प्रश्न 3: मंत्र जप करने का सही समय क्या है?

उत्तर: मंत्र जप का सही समय सुबह और शाम का होता है।

प्रश्न 4: क्या महिलाएं भी इस मंत्र को जप सकती हैं?

उत्तर: हां, स्त्री और पुरुष दोनों ही इस मंत्र को जप सकते हैं।

प्रश्न 5: इस मंत्र के लाभ कब से मिलना शुरू होते हैं?

उत्तर: नियमित जप के बाद 11 दिनों में परिणाम देखे जा सकते हैं।

प्रश्न 6: क्या मंत्र जप के दौरान कोई विशेष वस्त्र पहनने चाहिए?

उत्तर: हां, लाल वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है।

प्रश्न 7: क्या इस मंत्र का उपयोग स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए किया जा सकता है?

उत्तर: हां, यह मंत्र रोगों से मुक्ति दिलाता है।

प्रश्न 8: क्या इस मंत्र को किसी विशेष दिशा की ओर मुख करके जप करना चाहिए?

उत्तर: पूर्व दिशा की ओर मुख करके जप करना सर्वोत्तम माना जाता है।

प्रश्न 9: क्या मंत्र जप के दौरान भोजन और आहार पर कोई नियम है?

उत्तर: हां, इस दौरान मांसाहार, मद्यपान और धूम्रपान से बचना चाहिए।

प्रश्न 10: क्या मंत्र जप में कोई विशेष मुद्रा अपनानी चाहिए?

उत्तर: शक्ति मुद्रा अपनाकर जप करना अत्यधिक लाभकारी होता है।

प्रश्न 11: क्या इस मंत्र का जप करने से आध्यात्मिक शक्तियां प्राप्त होती हैं?

उत्तर: हां, यह मंत्र साधक को आध्यात्मिक उन्नति और जागरूकता प्रदान करता है।

प्रश्न 12: क्या मंत्र जप के बाद कोई विशेष पूजा करनी चाहिए?

उत्तर: हां, 11 दिन के बाद अन्नदान या भोजन दान करना अनिवार्य है।

श्री शिवानंद दास दिव्ययोग आश्रम चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.)

mantravidya.com divyayogastore.com divyayogashop.com

7710812329.